www.ghoonghatkibagawat.com ghoonghatkibagawat37@gmail.com ghoonghatkibagawat.com

UP/HIN/1999/1282

घूँघट की बगावत

प्रत्येक रविवार को प्रकाशित हिन्दी (साप्ताहिक समाचार पत्र)

वर्ष : 23 | अंक : 31 | गोरखपुर | 11 फरवरी 2024 | पृष्ठ : 06 | मूल्य: 2/–

नये भारत का नया इतिहास लिखने की ओर कदम बढ़ा रहा है देश : भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि सकारात्मक ऊर्जा ही जीवन में प्रगति व परिवर्तन की संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक पहल से हमारा देश नये भारत का नया इतिहास लिखने की ओर कदम बढ़ा रहा है। शर्मा, सिरोही के ब्रह्मा. कुमारीज संस्थान में 'स्वर्णिम राजस्थान' अभियान के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नयी ऊंचाई देने में सराहनीय प्रयास कर रहा है।

उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा लोगों के स्वास्थ्य, समृद्धि और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जल–जन अभियान, श्री अन्न (मिलेट्स) अभियान तथा गोकुल गांव सर्वांगीण विकास अभियान की राज्य में आज शुरुआत की जा रही है। सरकारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि हमें नागरिक होने के कर्तव्यों का एहसास करना चाहिए और अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद व्यक्ति के बारे में सोचना चाहिए। शर्मा ने कहा कि हमारा छोटा सा कदम भी उनका जीवन बदल सकता है। उन्होंने कहा कि श्री अन्न (मिलेट्स) के उत्पादन में हमारा प्रदेश देश में अग्रणी स्थान रखता है। राज्य सरकार भी प्रदेश में मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने इससे पूर्व ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा आयोजित राज ऋषि ग्राम प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।इससे पहले शर्मा ने अपने नागौर दौरे के दूसरे दिन ग्राम सिंगड़ के निकट ढ़ाणी में प्रगतिशील किसानों से चाय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश की समृद्धि गांवों के सर्वांगीण विकास से ही प्रशस्त होगी। किसान वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए राज्य सरकार ने गेहूं की खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 125 रुपये बोनस देने की घोषणा की है। साथ ही, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत दो हजार रुपये की बढ़ोतरी का भी निर्णय किया गया है।

साथ ही शर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह व पी. वी. नरसिम्हा राव तथा हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित करना ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने इन शख्सियतों को भारत रत्न सम्मान देने की घोषणा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। शर्मा ने कहा कि जीवन भर किसान हितों के लिए कार्य करने वाले चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय देश व प्रदेश के असंख्य किसानों का सम्मान है।

हरदा पटाखा कारखाने की जगह से मलबा हटाने की मांग की

हरदा। हरदा में स्थित पटाखा कारखाने में विस्फोट और आग से इकाई पूरी तरह से नष्ट हो गई, जिसके मलबे की वजह से वहां आस–पास रहने वाले लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

हरदा। मध्य प्रदेश के हरदा में पटाखा कारखाने के आसपास रहने वाले लगभग 100 लोगों ने शनिवार को एक घंटे तक मुख्य मार्ग को अवरुद्ध रखा और आग से नष्ट हुई इकाई का मलबा तुरंत हटाने की मांग की। हरदा में स्थित पटाखा कारखाने में विस्फोट और आग से इकाई पूरी तरह से नष्ट हो गयी, जिसके मलबे की वजह से वहां आस–पास रहने वाले लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को हुए हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से अधिक लोग घ ायल हुए हैं।

स्थानीय लोगों ने रसायन युक्त मलबे के कारण क्षेत्र में अत्यधिक दुर्गंध की शिकायत की। स्थानीय लोगों ने फैक्टरी के मालिक और आरोपी राजेश अग्रवाल की हरदा शहर के बाहरी इलाके में सील की गई दो और पटाखा फैक्टरियों को स्थायी रूप से बंद करने की भी मांग की। इसके अलावा लोगों ने शहर के मध्य में स्थित आरोपी के घर को कुर्क करने और उसके भूतल पर चलाई जा रही पटाखे की दुकान को तोड़ने की भी मांग की। एक प्रदर्शनकारी ने बताया, प्रदर्शनकारियों ने अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) के. सी. पार्थे से तीन दिन में मांगे पूरी करने का आश्वासन मिलने के बाद विरोध–प्रदर्शन

राष्ट्रपति का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का दौरा

पोर्ट ब्लेयर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की पांच दिवसीय यात्रा पर 19 फरवरी को यहां पहुंचेंगी। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। वर्ष 2022 में भारत के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद मुर्मू की यह द्वीपसमूह की पहली यात्रा होगी। राष्ट्रपति 19 फरवरी को दोपहर करीब एक बजे पोर्ट ब्लेयर में 'आईएनएसउत्क्रोश' पहुंचेंगी जहां उनका स्वागत लेफ्टिनेंट गवर्नर एडमिरल (सेवानिवृत्त) डी. के. जोशी, अंडमान और निकोबार कमांड (सीआईएनसीएएन) के कमांडर–इन–चीफ एयर मार्शल साजु बालाकृष्णन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी करेंगे। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 19–23 फरवरी तक अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति सेल्युलर जेल, स्वराज द्वीप जिसे हैवलॉक द्वीप समूह के नाम से जाना जाता है, कैम्पबेल बे, इंदिरा प्वाइंट (भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु) का दौरा करेंगी। द्वीप के बारे में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए वह विभिन्न समुदायों और अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगी।

गबन मामले में प्रबंधक सहित दो गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने प्रतापगढ़ जिले में एक निजी बैंक में लगभग 2.50 करोड़ रुपये के घोटाले का पर्दाफाश करते हुए बैंक के प्रबंधक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में 46 लाख रुपये की नकदी भी जब्त की गयी है। प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने यहां एक बयान में बताया, धरियावद में आईसीआईसीआई बैंक में हुए लगभग 2.50 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले का पर्दाफाश कर बैंक मैनेजर प्रशांत काबरा (32) व उदयपुर के हिस्ट्रीशीटर रहे आरोपी जालम चन्द जैन (72) को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी के अनुसार, गबन की राशि से आरोपी हिस्ट्रीशीटर ने उदयपुर–नाथद्वारा रोड पर एक फार्म हाउस खरीदा। उन्होंने बताया कि मामला उस समय सामने आया जब बैंक के एक ग्राहक के खाते से चार फरवरी को 32 लाख रुपये निकाल लिये गये। अधिकारी के मुताबिक, बाद में जब बैंक के अन्य ग्राहकों के खातों की जांच की गई तो गबन की जानकारी हुई। अधिकारी ने बताया कि मामला सामने आने के बाद बैंक अधिकारियों ने छह फरवरी को बैंक के प्रबंधक प्रशांत काबरा के खिलाफ थाना धरियावद में मुकदमा दर्ज कराया।

उन्होंने बताया कि जांच में पाया गया कि विभिन्न खाता धारक जब बैंक में एफडी और केसीसी करवाते थे तो आरोपी उन खातों पर ओवरड्राफ्ट लिमिट बनाकर राशि को अपनी पत्नी दीपिका काबरा व जालम चंद जैन, उसकी पत्नी मन्जुला जैन, पुत्र राकेश जैन व उसकी फर्म पूजा कंस्ट्रक्शन के खातों में जमा कर गबन किया करता था। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान कुल 62 बैंक खातों को फ्रीज कर 62.71 लाख रुपये की राशि को होल्ड किया गया और आरोपी की निशानदेही से कुल 46 लाख रुपये जब्त किये गये।

किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च के मद्देनजर, केंद्रीय बलों की 50 कंपनियां तैनात

चंडीगढ़। किसानों के 13 फरवरी को प्रस्तावित दिल्ली चलो मार्च से पहले, हरियाणा पुलिस ने राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 50 कंपनियां तैनात की हैं और अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि किसी को भी शांति व सद्भाव बिगाड़ने नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने किसानों से अगले सप्ताह होने वाले मार्च में बिना अनुमति के भाग नहीं लेने को कहा है और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के लिए कानून बनाने सहित कई मांगों को स्वीकार करने के सिलसिले में केंद्र पर दबाव बनाने को लेकर 13 फरवरी को दिल्ली चलो मार्च की घोषणा की थी, जिसमें 200 से अधिक किसान यूनियन हिस्सा ले सकते हैं। हरियाणा पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि राज्य में रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) समेत केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 50 कंपनियां तैनात की गई हैं।

यूएई की राजधानी में पहला हिंदू मंदिर

नई दिल्ली। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के कुछ ही दिन बाद पीएम मोदी मुस्लिम देश में भव्य मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबूधाबी में पहला हिंदू मंदिर खुलने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13–14 फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय यात्रा करेंगे, जिसके दौरान वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ व्यापक वार्ता करेंगे और अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि 2015 के बाद से यह प्रधान मंत्री की संयुक्त अरब अमीरात की सातवीं यात्रा होगी। इसमें कहा गया है कि मोदी और अल नाहयान देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा, विस्तारित और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे और आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रध. ानमंत्री संयुक्त अरब अमीरात के उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और रक्षा मंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उनके निमंत्रण पर, प्रधान मंत्री दुबई में आयोजित होने वाले विश्व सरकार शिखर सम्मेलन 2024 में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लेंगे और शिखर सम्मेलन में एक विशेष मुख्य भाषण देंगे।

इसमें कहा गया है कि मोदी अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर बीएपीएस मंदिर का भी उद्घाटन करेंगे, साथ ही वह जायद स्पोर्ट्स सिटी में एक कार्यक्रम में संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और यूएई के बीच मजबूत और राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों पर आधारित मधुर, घनिष्ठ और बहुआयामी संबंध हैं। अगस्त 2015 में मोदी की यूएई की ऐतिहासिक यात्रा के बाद, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया। दोनों देशों ने सीमा पार लेनदेन के लिए भारतीय रुपये और एईडी (संयुक्त अरब अमीरात दिरहम) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए फरवरी 2022 में एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) और जुलाई 2023 में एक स्थानीय मुद्रा निपटान (एलसीएस) प्रणाली पर हस्ताक्षर किए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2022–23 में लगभग 85 बिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ दोनों देश एक–दूसरे के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक हैं। 2022–23 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में यूएई भी भारत के शीर्ष चार निवेशकों में से एक है।

जगदीप धनखड़ ने की जयराम रमेश की खिंचाई,

वह राज्यसभा में रहने के योग्य नहीं

नयी दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के खिलाफ टिप्पणी के लिए जयराम रमेश की खिंचाई करते हुए कहा कि कांग्रेस सदस्य अपने कदाचार के लिए राज्यसभा में रहने के योग्य नहीं हैं। जयंत सिंह को उनके दादा और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के मुद्दे पर सदन में बोलने की अनुमति देने के धनखड़ के फैसले पर कांग्रेस ने ती खी प्रतिक्रिया व्यक्त की जिसके बाद विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। इस दौरान रमेश ने कुछ खास टिप्पणियां कीं। हालांकि हंगामे के कारण वह सुना नहीं जा सकीं। सभापति ने जयंत के ि नित किया गया उन पर कोई

खलाफ टिप्पणी को लेकर रमेश को चेतावनी देते हुए कहा, ''मैंने सुना कि जयराम रमेश ने जयंत से क्या क ह ा . . . आ प (रमेश) ऐसे व्यक्ति हैं जो श्मशानघाट पर उत्सव मना सकते हैं।''

धनखड़ ने कहा, ''यह तथ्य है कि आप (रमेश) इस दुर्व्यवहार के कारण इस सदन का हिस्सा बनने के लायक नहीं हैं।'' जयंत को सदन में बोलने का मौका दिए जाने का कांग्रेस सदस्यों ने जब विरोध किया तो धनखड़ ने सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को अपनी पार्टी कांग्रेस की तरफ से बोलने की अनुमति दी। खरगे ने कहा कि जिन शख्सियतों को भारत रत्न से सम्मा. नित किया गया उन पर कोई वाद–विवाद नहीं है।

उन्होंने कहा, ''मैं सभी को सलाम करता हूं। लेकिन यदि कोई सदस्य मुद्दा उठाना चाहता है तो आप (अध्य क्ष) पूछते हैं किस नियम के तहत। (मैं जानना चाहता हूं) किस नियम के तहत उन्हें (जयंत) बोलने की अन. मति दी गई है।'' उन्होंने कहा, ''हमें भी अनुमति दीजिए। एक तरफ आप नियमों की बात करते हैं... आपके पास विशेषाधिकार है। उसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए न कि जब आप चाहें तब।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने सभापति पर नियमों का पालन नहीं करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर भारत रत्न पर चर्चा सदन के एजेंडे में शामिल की जाती तो हर कोई भाग लेता। धनखड़ ने खरगे द्व ारा उठाई गई आपत्तियों पर नाखुशी जताई।

राजस्थान संक्षिप्त

राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने पेश किया अंतरिम बजट

बैठक संपन्न

जयपुर। एक राष्ट्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद ने नई दिल्ली में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया अठावले और आम आदमी पार्टी के सदस्यों के साथ बैठक की दोनों दलों के नेताओं ने देश में एक साथ चुनाव कराने के संबंध में उच्च स्तरीय समिति को अपनी राय से अवगत कराया समिति के सदस्य डॉक्टर एनके सिंह और संजय कोठारी भी उपस्थित रहे।

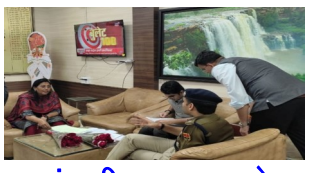

संभागीय आयुक्त ने सुनी जन समस्याएं

जयपुर । कोटा की संभागीय आयोग डॉक्टर प्रतिभा सिंह ने गत शुक्रवार को बूंदी में आमजन की समस्याएं सुनते उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार जनसुनवाई में प्राप्त समस्याओं का समय बाद निपटारा सुनिश्चित किया जाए जनसुनवाई के दौरान 10 प्रकरण प्राप्त हुए इस दौरान संभागीय आयुक्त ने जिला रसद अधिकारी से विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

विकसित भारत संकल्पित भारत प्रदर्शनी संपन्न

जयपुर। केंद्रीय संचार वीडियो के प्रादेशिक कार्यालय जयपुर की ओर से बहरोड में आयोजित विकसित भारत संकल्पित भारत प्रदर्शनी आज संपन्न हुई त्रि–दिवसीय इस प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी डिजिटल पैनल के माध्यम से दी गई प्रदर्शनी में डाक विभाग स्वास्थ्य विभाग सहित आठ विभागों में स्टाल लगाए इस मौके पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसी तारक मेहता में कोटा के बूंदी में आयोजित विकसित भारत संकल्पित भारत मल टीमीडिया प्रदर्शनी में युवाओं और महिलाओं ने बढ़ चढ़कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दीया कुमारी 8 फरवरी को जयपुर में राज्य का अंतरिम बजट पेश करने के लिए राजस्थान विधानसभा पहुंचीं।

दीया कुमारी, जो राजस्थान की डिप्टी सीएम भी हैं, ने विधानसभा क्षेत्रों में स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों की स्थापना, उन्नयन के लिए एक हजार करोड़ की घोषणा की।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने 8 फरवरी को विधानसभा में वोट ऑन अकाउंट (अंतरिम बजट) पेश करना शुरू किया। 2024–25 के लिए पूर्ण बजट जुलाई में पेश किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 116 के तहत, बजट स्वीकृत होने तक सीमित अवधि के लिए आवश्यक सरकारी व्यय को पूरा करने के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया जाता है। यह कुल अनुमान के छठे हिस्से के बराबर राशि पर कुछ महीनों के लिए प्रदान किया जाता है। राज्य के वित्त मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा राज्य के संसाधनों का उपयोग करके कई योजनाएं लागू की गईं और राजस्व प्राप्तियों और व्यय के बीच अंतर था। उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार, खराब कानून व्यवस्था की वजह से राजस्थान में विकास धीमा हो गया था।''

राज्य एफएम दीया कुमारी ने विधानसभा क्षेत्रों में स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों की स्थापना, उन्नयन के लिए एक हजार करोड़ की घोषणा की। उन्होंने मजदूरों और रेहड़ी–पटरी वालों के लिए मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना की भी घोषणा की। अन्य प्रमुख घोषणाओं में 70,000 पदों को भरने के लिए भर्ती और अगले चार वर्षों में 20,000 गांवों में पांच लाख जल संचयन संरचनाएं बनाने के लिए मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान शामिल हैं, जिसके लिए 11,200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। पिछली सरकार ने लाडपुरा, नसीराबाद, सिव.ाना, आहोर, डग, मालपुरा जैसे कई क्षेत्रों के लिए कोई योजना स्वीकृत नहीं की। अब, विकास के क्षेत्रीय संतुलन को सुनिश्चित करने के लिए, अतिरिक्त कॉलेजों, स्कूलों, अस्पतालों और प्रशासनिक भवनों की स्थापना और उन्नयन के लिए एक हजार करोड़ की घोषणा की गई है। मंत्री ने कहा कि जयपुर शहर में यातायात जाम की समस्या को देखते हुए जयपुर मेट्रो को सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक विस्तारित करने के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 का आयोजन 19 को

गोरखपुर। उ.प्र. ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 के सफल आयोजन के उपरान्त ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरमनी 4.0 का आयोजन प्रधानमंत्री के कर कमलों से लखनऊ में 19 फरवरी को होने जा रहा है। इसमें प्रदेश में 14000 से अधिक के एम.ओ.यू. जिसमें 10.00 लाख करोड़ का निवेश प्रस्तावित है तथा 33.50 लाख रोजगार निहित है, को शामिल किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार 19 फरवरी को ही जनपद मु ख्यालय पर भी ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरमनी का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें जनपद में हुए एम.ओ.यू. 10 करोड़ रुपए से कम के 83 प्रस्तावकों को आमंत्रित कर सम्मानित किया जाना है जिनके द्व ारा जनपद में कुल 186.36 करोड का निवेश एवं 4881 लोगों का रोजगार सृजन सम्भावित है। इस अवसर पर जनपद के माननीय मंत्री, मा० सांसद, मा० विधायक गण एवं अन्य जनप्रतिनिधि को आमंत्रित किए जाने के निर्देश हैं। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित उद्यमीगण, निवेशक एवं औद्योगिक संगठन के अतिरिक्त संबंधित विभागीय अधिकारी भी प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में हो रहे माननीय प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जायगा जिसे जनपद स्तर पर सभी लोगों द्वारा देखा जायेगा।

बुनियादी सुविधाओं से वंचित यह गांव

आजादी के बाद भारत विज्ञान, तकनीक से लेकर आर्थिक रूप से भी शक्तिशाली देश के रूप में उभरा है। हर क्षेत्र में भारत अपना लोहा मनवा चुका है, लेकिन इससे इतर महाराजगंज का एक गांव ऐसा भी है जो विकास से कोसों दूर है।आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी गांव तक जाने के लिए कोई भी सड़क नहीं बनी है। सड़क न होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की, लेकिन न तो किसी जनप्रतिनिधि ने और न ही किसी अधिकारी ने कोई ध्यान नहीं दिया।

केंद्रीय वित्त मंत्री 22 को करेंगी महराजगंज का दौरा

म्हराजगंज। देश की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 22 फरवरी को महराजगंज जिले का दौरा करेंगी। इस दौरान उनके द्वारा रिटेल, सूक्ष्म,लघु व मध्यम उद्योग और कृषि संबंधित विभिन्न रोजगारपरक लोन योजनाओं की समीक्षा करने के साथ लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और डेमो चेक का वितरण करेंगी। महराजगंज देश के वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का कार्यक्षेत्र भी है।जिला. धिकारी अनुनय झा द्वारा वित्त मंत्री भारत सरकार निर्मला सीतारमन के जनपद में प्रस्तावित आगमन के संदर्भ में वित्त सेवा विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा कर तैयारियों की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने एलडीएम महराजगंज से जनपद में संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं के तहत लाभान्वित आवेदकों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि एक सप्ताह में स्वीकृत ऋण की सूची लाभार्थीवार तैयार कर लें। साथ ही मंच से जिन लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया जाना है, उनकी सूची भी तैयार कर लें।

उन्होंने अपर जिलाधिकारी को भीड़ प्रबंधन हेतु आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही विभिन्न स्टालों के विषय में भी आवश्यक तैयारियों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया।समीक्षा के उपरांत जिलाधिकारी सहित केंद्रीय टीम ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल नवीन मंडी स्थल धनेवा–धनेई का स्थलीय निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को आवश्यक निर्देश देते हुए कार्यक्रम की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया। वित्त मंत्री, भारत सरकार का जनपद में आगमन 22 फरवरी को प्रस्तावित है। उनके द्वारा रिटेल, सूक्ष्म,लघु व मध्यम उद्योग और कृषि संबंधित विभिन्न रोजगारपरक लोन योजनाओं की समीक्षा करने के साथ लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और डेमो चेक का वितरण भी किया जाएगा।

भारत रत्न दिए जाने पर राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने पूर्व प्रध.ानमंत्री चौधरी चरण सिंह और नरसिम्हा राव तथा देश में हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की घ ोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले यह तीनों ही व्यक्तित्व भारत के गौरव है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा पर भरतपुर में राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकर्ताओं ने मिठाई वितरित की और आतिशबाजी कठोर वितरण सिंह अमर रहे के नारे लगाए। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई वक्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री को किसानों का मसीहा बताते हुए कहा कि उन्होंने किसानों के अधिकार और कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

सांसद ने की रेल मंत्री से मुलाकात

जयपुर। सांसद निहालचंद ने अपने क्षेत्र की विभिन्न रेलवे समस्याओं को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की उन्होंने रेल मंत्री से मुख्य रूप रूप से गजसिंहपुरा, पदमपुर, रिडमलसर, बीचपायल औल गोलूवारा से हनुमानगढ़ होते हुए एक नई रेल लाइन की मंजूरी जारी करने का आग्रह किया।

पुलिस महानिरीक्षक मनोविका की अधिक शिक्षा सम्मेलन

एसपी अपने क्षेत्र में अपराधों पर लगाए अंकुश : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ सरकार और मादक पदार्थ को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति बनाई है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को अवैध गतिविधियों को रोकने में विफल रहने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। भाई ने नया रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में महानिदेशक को और पुलिस अधीक्षकों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यदि सपा अपने संबंधित जिलों में अपराधों पर अंकुश नहीं लगते हैं तो सख्त विभागीय कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा अपराधियों को पुलिस से डरना चाहिए जबकि जनता को उनके प्रति सम्मान रखना चाहिए जैसा सुना के प्रति होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को अपराधियों के प्रति कठोर होना चाहिए और आम जनता के प्रति विनम्र होने के साथ नरम दुख अपनाना चाहिए उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार जुआ और सट्टेबाजी देसी बुराइयां समाज पर बुरा प्रभाव डालते हैं और युवाओं का इन सब प्रभावित होना चिंता का विषय है।

सेनाओं के यद्धाभ्यास का हुआ समापन

जयपुर। बीकानेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत और सऊदी अरब के सेनन के बीच युद्ध अभ्यास गत दिनों संपन्न हो गए।बता दें कि पिछले 29 जनवरी से शुरू हुए इस युद्ध अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनन के बीच अंतर संचालनीयता प्राप्त करने और संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत परिचालन प्रक्रियाओं और युद्ध अभ्यास से एक दूसरे को परिचित कराना था। इस युद्ध अभ्यास में 45 कर्मियों वाले सऊदी अरब दल का प्रतिनिधित्व रॉयल सऊदी बैण्ड फोर्सज द्वारा किया गया वहीं भारतीय सेवा के 45 जवानों की और अधिकारियों के दल का नेतृत्व ब्रिगेड ऑफ गर्ल्स मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री की बटालियन द्वारा किया गया।

सरकार छात्रों और महिलाओं आपके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धः भजनलाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि महिलाओं को आत्म.निर्भर बनाने की दिशा में केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार तेजी से कम कर रही है। प्रध.ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में ल खा प ति दी दी जै सी महत्वपूर्ण योजना की शुरुआत की है जिसके अंतर्गत राजस्थान में भी 11 लाख से ज्यादा महिलाएं लाभान्वित होगी।

मुख्यमंत्री पत्र शुक्रवार को नागौर के मारवाड़ मुड़वा में वीर तेजा महिला की शिक्षक और शोध संस्थान के वार्षिकोत्सव और कन्या छात्रावास भवन के शिलान्यास के अवसर पर समारोह को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध ता के साथ काम कर रही है उन्होंने यह भी कहा कि नारी शक्ति को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के रूपरेखा तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए दो लाख महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाने और 28 ला ख महिलाओं को सशक्तिकरण क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से ₹100000 तक का ऋण उपलब्ध करवाने का कार्य किया जाएगा उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्राओं को शिक्षा के उचित अवसर उपलब्ध करवाने के लिए सह शिक्षा महाविद्यालय और पॉलिटेक्निक तथा अभियांत्रिकी महाविद्यालय में 30प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं और किसानों के कल्याण के लिए गति से कम कर रही है। कार्यक्रम के अंत में मु ख्यमंत्री नागौर के करनाल में लोक देवता वीर तेजा की जन्मस्थली पहुंचकर मंदिर में दर्शन किए और पूजा अर्चना करते हुए देश की खुशहाली तथा सुख शांति के लिए कामना की।

जिलाधिकारी वंदना सिंह के मुताबिक इस क्षेत्र के 'मलिक का बगीचा' पर कथित रूप से खड़े दो ढाँचे को ध्वस्त किया जा रहा था। स्थानीय लोग इन इमा. रतों को मदरसा और मस्जिद बता रहे हैं। इन्हीं इमा. रतों को ध्वस्त करने के क्रम में हिंसा भड़क उठती है।

देखते ही देखते हिंसा का व्यापक रूप

उत्तराखंड में हल्द्वानी के एक इलाके में अतिक्रमण की कार्रवाई के दौरान 8 फरवरी (गुरुवार) को हिंसा भड़क उठती है। देखते–देखते ही हिंसा व्यापक रूप ले लेती है। इसमें पाँच लोगों की मौत हो जाती है। दो सौ से अधिक लोग घायल हो जाते हैं। घायलों में आम लोगों के साथ ही पुलिसकर्मी, नगर पालिका के कर्मचारी और पत्रकार भी शामिल बताए जा रहे है। आगजनी की घटना में कई वाहनों को जला दिया जाता है। प्रशासन की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक उपद्रवियों की भीड़ ने पेट्रोल बम भी फेंका और आगजनी भी की। उसके बाद अराजक तत्वों ने बनभूलपुरा पुलिस थाने का घेराव करने की भी कोशिश की। भीड़ से गोलियाँ चलने की भी आवाज आयी। उसके बाद पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए हवा में गोली चलाई। जिलाधिकारी का यह भी कहना है कि लोगों की मौत जिस गोली से हुई है, वो भीड़ ने चलाई या फिर पुलिस ने चलाई.. इसकी जाँच की जाएगी। पुलिस थाने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने के सिलसिले में तीन प्राथमिकी दर्ज की गयी है। कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भीड़ को कथित रूप से उकसाने में तकरीबन 15 से 20 लोग शामिल हो सकते हैं। इस हिंसा के बाद शहर में कर्फ्यू लगाना पड़ता है। इंटरनेट बंद करना पड़ता है। प्रशासन की ओर से उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी किया जाता है। हिंसा के अगले दिन 9 फरवरी को शहर की सड़कों पर सुरक्षाकर्मियों के अलावा आम लोग नहीं दिखाई पड़ते हैं। चारों ओर सन्नाटा पसरा रहता है। केंद्रीय सुरक्षाबलों की बटालियन हल्द्वानी की सड़कों पर मार्च करते नजर आते हैं। सुरक्षा के मद्द–ए–नजर शहर के संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। देश लोक सभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। ऐसे में देश के बाकी राज्यों की तरह उत्तराखंड में 8 फरवरी को हुई हिंसा बेहद चिंता का विषय है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। इस बीच सोशल मीडिया से लेकर तमाम मंचों से पूरे मामले को हिंदू बनाम मुस्लिम के रूप में भी बनाने की भरपूर कोशिश की जा रही है। आने वाले लोक सभा चुनाव को देखते हुए हल्द्वानी की हिंसात्मक घटना के बाद बने माहौल को किसी भी तरीके से सही नहीं कहा जा सकता है। आधिकारिक या सरकारी तौर से मामले को समझने का प्रयास करें, तो हिंसा की यह वारदात हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में हुई।

नैनीताल की जिलाधिकारी वंदना सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रहलाद मीणा ने घटना से जुड़ी सारी जानकारी मीडिया से साझा की। इन सरकारी अधिकारियों का कहना है कि पूरा मामला अतिक्रमण हटाने की मुहिम और उसके विरोध से जुड़ा है। सरकारी स्तर पर बनभूलपुरा में अतिक्रमण हटाने का काम चल रहा था। नगरपालिका के कर्मचारी और पुलिसकर्मी इस काम में लगे हुए थे।

जिलाधिकारी वंदना सिंह के मुताबिक इस क्षेत्र के 'मलिक का बगीचा' पर कथित रूप से खड़े दो ढाँचे को ध्वस्त किया जा रहा था। स्थानीय लोग इन इमारतों को मदरसा और मस्जिद बता रहे हैं। इन्हीं इमारतों को ध्वस्त करने के क्रम में हिंसा भड़क उठती है।

जिलाधिकारी वंदना सिंह का कहना है कि ये दोनों इमारतें अवैध तौर से बनाई गयी थी और इसका सरकारी दस्तावेज में कोई पंजीकृत नहीं है। सरकारी रिकॉर्ड में धार्मिक संरचना के तौर पर रजिस्टर नहीं है। उन्होंने जानकारी दी कि यह एक खाली संपत्ति है और नगर निगम के दस्तावेज में नजूल भूमि के तौर पर दर्ज है। नोटिस देने और स्वयं से अतिक्रमण हटाने की मियाद पूरी होने के बाद ही नगरपालिका की ओर से यह कार्रवाई की जा रही थी।

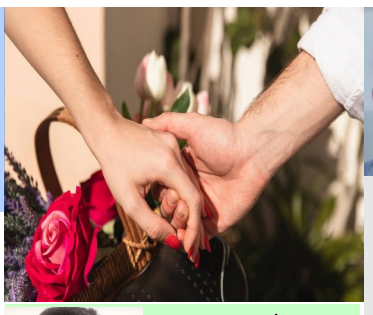

" वादें"

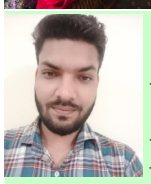

मैं ज़हन की संदूक को
जब भी खोलता हूं।
परिंदो सी आजाद ...
तन्हाई के आकाश में
कुलांचे मारने लगती हैं...
वो तुम्हारी यादें...।
वो यादें जो सिर्फ और सिर्फ
तुमसे ही जुड़ी हैं...
वो सभी यादें...
मेरे अंतर्मन की बांसुरी में...
भर देती हैं ..नवसंचार ।
मेरा मन मयूरा...
बेकल हो जाता है..
तुमसे मिलने को।
फिर क्या?....
एक एक पल की दूरी..
जनम जनम का इंतजार...
लगने लगता है।
फिर एक शीतल हवा का
झोंका आता लेकर..
अपने ...साथ...
वर्षो पहले किए तुम्हारे वादें को...!
और याद आ जाते हैं... तुम्हारे झूठे वादे
तुम कहते थे न? एक पल भी ...
नही रह पाऊंगा...तुमसे दूर होके।

नीरज कुमार सिंह

"मान–अभिमान"

अगर मैं मान हूं तेरा तो
तू मेरा अभिमान होने लगी है
तू अब थोड़ी बड़ी ,
थोड़ी सयानी होने लगी है
तू अब मुझ सी मेरी जैसी लगने लगी है
है अंश मात्र मेरा तू ,पर अब
मेरी परछाई ,मेरी छवि होने लगी है
अगर मैं मान हूं तेरा तो
तू मेरा अभिमान होने लगी है
अब तू थोड़ी बड़ी ,
थोड़ी सयानी होने लगी है
मेरे भीतर के द्वंद को
अपने भावों में तू पिरोने लगी है
मेरी पीड़ा का अब तू मरहम होने लगी है
मेरी उलझनों की पहेलियां अब
तेरी बात से सुलझने लगी है
मैं मान हूं तेरा तो तू मेरा अभिमान होने लगी है
मेरे तसव्वुर की अब तू हकीकत होने लगी है
मेरी जमीं का तू आसमां होने लगी है
पंख तो थे मेरे पास भी पर
लोग–लाज की जंजीरों को मैं ना तोड़ पाई,
उन बेड़ियों से तू आजाद अब होने लगी है
लिऐ गये किसी के फैसलों का
परिणाम मैं बनी थी,
अब तू अपनी कहानी का
किरदार खुद गढ़ने लगी हों
तू अब थोड़ी बड़ी ,थोड़ी सयानी होने लगी है
अगर मैं मान हूं तेरा तो
तू मेरा अभिमान होने लगी है।

नीतू यादव
जयपुर(राजस्थान)

आगे बसंत

पियर–पियर सरसो फूले, पियर उड़े पतंग ,
पियर पगड़ी पहिर के, आगे ऋतु राज बसंत ।
अमरय्या मा आमा मयुरे कारी, कोयली कुहुकत हे ,
लाली–पियुरी परसा फूले, सबों के मन हा पुलकत हे ।
सरर–सरर चले पुरवाही ,मन मयुर झूमें नाचे ,
फागुन के फाग संग, सुग्घर डोल नगारा बाजे ।
पातर –कवर गांव के गोरी, झुले कान के बाली ,
मया–पिरीत के बांधे, डोरी हंसी अऊ ठिठोली ।
मन भावन उत्साह ,अऊ उमंग ज्ञानी ,गुनी ,संत ,
मन मा खुशी गजब ,सुग्घर लागे आगे बसंत ।
कतिक करव बखान ,तोर हे ऋतु राज बसंत ,
तोर महीमा ल बताइन ,दिनकर ,वर्मा अऊ पंत ।

डोमेन्द्र नेताम (डोमू)
जिला – बालोद (छ.ग.)

खाली हाथ बजट .... स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में व्यापक सुधार की जरूरत

2024 का अंतरिम बजट प्रशासनिक रवायत है क्योंकि पूर्ण बजट तो जुलाई में आएगा जिस पर नई सरकार का रिपोर्ट कार्ड स्पष्ट नजर आएगा। व्यवसायों को फलने–फूलने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने, पर्यावरण से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्ग के उत्थान की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि विकास न्यायसंगत, टिकाऊ और हरित हो, विकास की गुणवत्ता पर ध्यान दें। सरकार को बड़ी–बड़ी योजनाओं पर ध्यान देने की बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में व्यापक सुधार पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि ये गरीबों के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं हैं, लेकिन यह इस तथ्य से दूर नहीं है कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा बजट बेहद अपर्याप्त हैं, भले ही ये सेवाएं खराब बुनियादी ढांचे, भारी रिक्तियों और अपर्याप्त संसाधनों से ग्रस्त हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को अपना छठा बजट पेश किया, जहां उन्होंने पिछले 10 वर्षों में सरकार की व्यापक उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित किया। चूंकि यह चुनावी वर्ष है इसलिए बजट पूर्ण नहीं था, बल्कि लेखानुदान था और इसमें राजस्व या व्यय खाते पर प्रमुख घोषणाएं शामिल नहीं थीं। एक अंतरिम बजट, नियमित वार्षिक बजट से अलग, चुनावी वर्ष में प्रस्तुत किया जाता है (2024 लोकसभा के लिए चुनावी वर्ष है)। केंद्रीय बजट के समान, इस पर लोकसभा में बहस होती है और यह पूरे वर्ष के लिए वैध रहता है (भले ही यह लगभग 2–4 महीनों के लिए एक संक्रमणकालीन व्यवस्था के रूप में काम करने के लिए होता है)। आम तौर पर 'वोट–ऑन–अकाउंट' के रूप में जाना जाता है, यह नई सरकार के कार्यभार संभालने तक विशिष्ट व्यय को अधिकृत करता है। अनुच्छेद 116 तत्काल व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 'भारत की संचित निधि' से धन के अग्रिम आवंटन की अनुमति देता है। सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के अंतिम बजट में इनकम टैक्स स्लैब में किसी तरह का बदलाव नहीं किया। ना ही ड़ायरेक्ट व इनड़ायरेक्ट टैक्स में कोई बदलाव किया जा रहा है। जैसाकि विशेषज्ञ कहते हैं। चुनावी वर्ष के बजट से ज्यादा उम्मीदें नहीं की जानी चाहिए।

हालांकि सरकार चाहती तो लोकलुभावन कटौतियों व लाभों की सूची का झुनझुना थमा सकती थी। राजकोषीय घाटा 5.1फीसद रहने के अनुमान के बावजूद मुफ्त वितरणॉ टीकाकरणॉ किसानों को लाभॉ आयुष्मान योजना का दायरा बढ़ाने व मुफ्त बिजली देने की घोषणाओं का खामियाजा सरकार को भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। महिलाओं के प्रति झुकाव रखने वाला यह बजट उनकी सेहत पर भी केंद्रित है। हालांकि किसानों के लिए एमएसपी की घोषणा न करॉ सरकार अपनी गारंटी पूरी करने से चूकती नजर आ रही है। एक तरफ वह दलील देती है कि पचीस करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है तो दूसरी तरफ अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने पर अपनी पीठ भी थपथाती है। कुल मिलाकर यह प्रशासनिक रवायत है। पिछले दस वर्षों मॉ प्रत्यक्ष कर संग्रह तीन गुना से अधिक हो गया है और रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 2.4 गुना तक बढ़ गई है। पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में दो करोड़ और घर बनाए जाएंगे। यद्यपि यह अंतरिम केंद्रीय बजट बहुत विस्तार वाला नहीं है। इसलिए यह समय ही बताएगा कि विकास की महत्वाकांक्षाओं को अधिक मजबूत करने के लिए एवं बजट की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी को कितना बढ़ावा देगा।

उच्च और स्कूली शिक्षा दोनों को बजट में बढ़ा हुआ आवंटन मिला और पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम एसएचआरआई) जैसी योजनाओं को पिछले बजट की तुलना में लगभग 50प्रतिशत अधिक आवंटन मिला। स्कूल शिक्षा विभाग के लिए कुल आवंटन 73,008.10 करोड़ है जो पिछले आवंटन से अधिक है। आलोचकों का तर्क है कि एक बड़ा हिस्सा पीएम–एसएचआरआई परियोजना को वित्तपोषित करने में चला गया है जो देश में मौजूदा सरकारी स्कूलों को अपग्रेड करना है और सरकारी स्कूलों को बढ़ाने के लिए धन आवंटित नहीं करना है। बजट में एक प्रमुख घोषणा पीएम–जन आरोग्य योजना के तहत आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए स्वास्थ्य कवर विस्तार से संबंधित है। स्वास्थ्य क्षेत्र का आवंटन 89,155 करोड़ से बढ़ाकर 90,658.63 करोड़ कर दिया गया है. इस क्षेत्र के विशेषज्ञ सरकार को गैर–संचारी रोगों पर ध्यान केंद्रित करने, निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए कर छूट बढ़ाने और सब्सिडी वाले उपचारों की गुणवत्ता में सुधार और उन्नयन करने का तर्क देते हैं। अधिकांश सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं और विभागों के लिए बजट आवंटन कमोबेश पिछले वर्ष के समान ही है। स्कूल और उच्च शिक्षा के साथ–साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभागों के लिए आवंटन पिछले साल के बीई की तुलना में कुछ मामूली वृद्धि दर्शाता है, लगभग 6–8प्रतिशत। हालांकि बजट में प्रमुख योजनाओं की कोई नई घोषणा नहीं की गई, वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी (एमपीआई) से बाहर लाया गया है।

विशेषज्ञों का तर्क है कि एमपीआई हमें आय गरीबी के रुझानों के बारे में नहीं बताता है, जो आर्थिक कल्याण का एक उपयोगी संकेतक है। आगे का दावा कि "लोगों की औसत वास्तविक आय में 50प्रतिशत की वृद्धि हुई है", हमें इस बारे में ज्यादा नहीं बताता कि गरीबों का जीवन कैसे बदल गया क्योंकि जो मायने रखता है वह राष्ट्रीय आय का वितरण है। विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि औसत ग्रामीण श्रमिक आय में मामूली वृद्धि हुई है जो निजी अंतिम उपभोग व्यय में खराब वृद्धि में भी परिलक्षित होती है। कुल रोजगार में कृषि की हिस्सेदारी में वृद्धि से चिह्नित, रोजगार के संरचनात्मक बदलाव में एक उल्लेखनीय उलटफेर हुआ है। इससे कृषि के अलावा रोजगार के अवसरों की कमी का पता चलता है। पिछले 4–5 वर्षों में महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर में हालिया वृद्धि संकट से प्रेरित प्रतीत होती है, क्योंकि बड़ी संख्या में महिलाएं लाभकारी रोजगार के बजाय अवैतनिक पारिवारिक श्रम में लगी हुई हैं। व्यापक आर्थिक स्तर पर, बजट का दावा है कि 2023–24 में, केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने में कामयाब रही है कि उधार के अलावा उसकी प्राप्तियाँ बजट के लगभग बराबर हैं। इसने कर राजस्व के संबंध में बजटीय अपेक्षाओं को पूरा किया है और साथ ही बजट के सापेक्ष अपनी गैर–कर राजस्व प्राप्तियों में 25प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद की है। व्यवसायों को फलने–फूलने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने, पर्यावरण से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्ग के उत्थान की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि विकास न्यायसंगत, टिकाऊ और हरित हो, विकास की गुणवत्ता पर ध्यान दें। सरकार को बड़ी–बड़ी योजनाओं पर ध्यान देने की बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में व्यापक सुधार पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि ये गरीबों के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं हैं, ले. किन यह इस तथ्य से दूर नहीं है कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा बजट बेहद अपर्याप्त हैं, भले ही ये सेवाएं खराब बुनियादी ढांचे, भारी रिक्तियों और अपर्याप्त संसाधनों से ग्रस्त हैं।

–प्रियंका सौरभ

निर्दोष पुलिसकर्मीयों पर हमले में जाँच की जरुरत

उत्तराखंड के हल्द्वानी में अवैध मस्जिद को अवैध बताकर उसपर बुलडोज़र चलवाने गई पुलिस टीम पर घेरकर जानलेवा हमला किया गया जबकि मौलाना तौकीर रजा नें भड़काऊ भाषण देकर माहौल और खराब करने की कोशिस की जिससे वहां के मजहबी लोग आक्रोश में आ गए और पुलिस पर जानलेवा पथराव करने लगे। सूत्रों के अनुसार पथराव में आई महिलाओं नें भी पुलिस वालो कों लाठी डंडों से पीटना चाहा ! देखते ही देखते माहौल और खराब हो गया और हल्द्वानी में कर्फ़्यू लागू करना पड़ा। धारा 144 लागू होनें के बाद , अगले आदेश तक सब कुछ बंद करना पड़ा। पूरे मामले पर गौर करें तो हल्द्वानी क्षेत्रान्तर्गत थाना वनभूलपुरा क्षेत्र में समुदाय विशेष द्वारा वनभूलपुरा क्षेत्र, हल्द्वानी के पूर्व चिह्नित स्थल से अवैध अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही के दौरान विरोध पथराव आगजनी की घटना हुई । हल्द्वानी (जनपद नैनीताल) कुमाऊँ मण्डल का महत्वपूर्ण नगर होने के साथ ही साम्प्रदायिक रूप से अत्यन्त संवेदनशील है। इसलिए यहां पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट, वंदना सिंह ने धारा–144 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए हल्द्वानी नगर के सम्पूर्ण क्षेत्र में पूर्णतः बन्द (कर्फ्यू) के आदेश लागू कर दिए थे । पुष्कर सिंह धामी ने शूट एट साइट का भी आर्डर दे दिया है, मतलब डायरेक्ट गोली चलाने का ऑर्डर दे दिया था !

देश में प्रोटेस्ट के नाम पर ऐसे पत्थरबाजी जो हो रहा है बहुत गलत हो रहा है! एक अवैध मस्जिद और मदरसे को ध्वस्त नहीं करने दिया गया, पुलिस ने कई राउंड अश्रु गैस के गोले फेंके, हवा में गोली चलायी, लोगो नें पुलिस पर घरों में बंद होकर छत से पत्थरों और पेट्रोल बम से हमला किया। 7 फ़रवरी को उत्तराखंड में 'समान नागरिक संहिता' विधेयक बहुमत से पारित हुआ,विधान सभा 'जय श्री राम' के नारों से गूंज उठती है। सीएम ने कई रील्स पोस्ट करते हुए देश भर को बताया कि हमने इतिहास रच दिया है। लेकिन इसका गुस्सा तौकीर रजा जैसे लोग हल्द्वानी जैसी घटनाओं को अंजाम देकर निकालते है । जब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकलता तब तक मौन साधना समझदारी है। अभी पता नहीं मारे कितने जायेंगे अपने हक की जमीन और मंदिर लेने में। इसके बाद कानून के तहत जाने कितने जेल मे भरे जायेंगे। मैंने 1992 का दंगा नहीं देखा क्यूंकि महज नौ वर्ष का था , 84 के दंगे मे भी मैं पैदा नहीं था। बस मैने अच्छे कृषि क़ानून के विरोध मे हुई हिंसा को देखा है।प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि आवाज़ आ रहीं थी अयोध्या का बदला लेंगे ज्ञानवापी नहीं देंगे आज इन हिन्दुओं की.....देंगे, ऐसे गन्दे शब्द बोल कर पुलिस पर सीधे पेट्रोल बम से हमला, कई राऊंड पत्थर मारे गए। एक कांस्टेबल का सर फूटा,वीडियो जारी हुए ज़िसमे पुलिस की गाड़ियों को शांतिदूत ही तोड़ रहे थे लाठी मार मार कर। और फिर आपको पाता है पुलिस ने चार्जशीट क्या लगाई ? पुलिस ने चार्जशीट लगाई कि पेट्रोल बम लेकर पुलिस वालों को मारने निकले थे पर बिके पत्रकार इसे मोदी की नाकामी बताएँगे। और उससे भी हास्यास्पद बात ये है कि अखिलेश जैसे लोग इसे लेकर खुद को पांडव और भाजपा को कौरव कहेंगे। तो भारत मे ये है दंगे की सच्चाई। उत्तराखण्ड के सीएम ने देखते ही गोली मारने का आदेश दिया था अब तो बस हर आक्रमणकारी को गाज़र मूली की तरह गोली ही मारनी चाहिए।

पंकज कुमार मिश्रा,
केराकत जौनपुर

(व्यंग्य)

पुस्तक मेले के बारे उदगार

कई लोग चुटकी ले रहे होंगे कि फलां बंदा, अमुक यशस्वी लेखक के साथ या प्रसिद्ध प्रकाशक के स्टाल पर फोटो खिंचवाकर अपना लेखक होना जताएगा। किताबी मेले में अपने प्रिय लेखकों से मिलने पाठक भी जाते होंगे।

लेखकों, किताबों, प्रकाशकों व जुगाड़ुओं का मेला फिर आ गया। फेसबुक, व्हाट्सेप, अखबार और एंटीसोशल मीडिया पर पुस्तक मेले में विज्ञापनों, प्रकाशकों, व्यक्तियों, लेखकों और साहित्यकारों की कवरेज देखकर दिमाग कहता है कि मेले में पहुंचने वाला हर बंदा थोड़ा बहुत लेखक तो हो ही जाता होगा। यह शानदार और यादगार है कि किसी की भी पहली पुस्तक ही वहां प्रसिद्ध हाथों से रिलीज़ हो सकती है। अनुभवी लेखक की चालीसवीं पुस्तक वहां रिलीज़ होकर समाज में विचारोतेजक परिवर्तन लाने की प्रक्रिया ज़्यादा तेज़ कर सकती है। ऐसे में क्रान्ति की मर चुकी चाहत रखने वाले आम व्यक्ति के मन में भी ले खन का कीड़ा घुस जाता होगा।

कई लोग चुटकी ले रहे होंगे कि फलां बंदा, अमुक यशस्वी लेखक के साथ या प्रसिद्ध प्रकाशक के स्टाल पर फोटो खिंचवाकर अपना लेखक होना जताएगा। किताबी मेले में अपने प्रिय लेखकों से मिलने पाठक भी जाते होंगे। ताज़ा आकर्षक किताबों, स्थापित चेहरों और व्यवसायिक लेखकों के साथ फोटो ि खचवाकर उनका हाथ, कुछ न कुछ टाइप करता महसूस करता होगा। यह तो हमारी समृद्ध साहित्यिक परम्परा है कि किताब या लेखक से मिलकर हम सोचते हैं कि काश हम भी थोडा बहुत कुछ तो लिख मारते।

कुछ लेखक वहां पहुंचकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध ले

खक, विमोचक, मंत्री, मुख्यमंत्री या अभिनेता के प्रसिद्ध हाथों से पुस्तक का विमोचित पैकट खुलवाने की तुलना करते होंगे। राजनीतिज्ञों के हाथों विमोचित होने से किताब भी ज्यादा खुश होती लगती है। मेले में फेसबुक के लिए भी काफी सामान मिल जाता है। फ़ोटोज़ से लगता है वहां सभी एक दूसरे से खालिस प्यार से, असली गले मिलकर सच्चे खुश होते हैं। छोटे शहर की साहित्यिक दुनिया की तरह लेखक, वहां बड़े खेमों में बंटे नहीं होते । उनमें ईर्ष्या, एक दूसरे को खारिज करने जैसी कुभावनाएं नहीं होती। किताबें तो जड़ होती हैं, मुझे विशवास है उनमें भी ऐसा कुछ नहीं पनपता होगा।

माइक पर युवा लेखक द्वारा पढ़ी जाने के बाद कविता भी धन्य हो जाती होगी। कवि को लगता होगा इतना विशाल जगमग मंच मिलने पर उसकी कविता, राष्ट्रीय नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गई है। किताबों की चकाचौंध में नवोदित लेखक को लगता होगा कि सुविधाओं भरी इस साहित्यिक दुनिया में एक किताब तो वह भी लिख, छपवा और बिकवा सकता है। इधर फेसबुक पर जुगाड़ू संस्थाओं के लिए कुछ ऑफर्स पढी गई हैं। ऑफर देने वाले ने कहा है कि विश्व पुस्तक मेले में जो उनकी कविता पढ़वाएगा, टॉक शो रखेगा, शाल टोपी हार पहनाकर सम्मानित करेगा उसे मनचाहा नकद पुरस्कार दिया जाएगा। उनके लेखन पर नकद पुरस्कार देंगे तो दोगुना पैसा लौटाया जाएगा। ऑफर में विवरण दिया गया है कि महत्त्वपूर्ण विषयों पर उनकी सैंकड़ों किताबें आई हैं। ऑफर का पूरा विवरण यहां देना पुस्तक मेले में जाने से भी ज़्यादा दूभर है।

मेरे जैसे बंदे जो कभी मेले में नहीं गए घर बैठे कागज़ काले करते रहते है, अपनी एक और किताब छपने के ख्याली पुलाव खाते रहते हैं। फिर सोचते हैं अपने पैसे से किताब छपवाना कितना आसान हो गया है। मुफ्त बांटना बहुत आसान है लेकिन सवाल तो पढ़े जाने का है।

– संतोष उत्सुक

प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास से विपक्षी खेमे में पैदा होती बेचैनी

प्रधानमंत्री मोदी ने गत 5 फरवरी को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण देते हुए कहा कि हमारा तीसरा कार्यकाल 1,000 सालों की नींव रखने का काम करेगा और उसमें बहुत बड़े फ़ैसले होंगे। बीती 2 फरवरी को 'इंडिया मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' के उद्घाटन के अवसर पर पीएम मोदी ने तीसरे कार्यकाल की योजनाओं के बारे में बताया। जैसे ही पीएम मोदी ने तीसरे कार्यकाल की बात की तो लोग लगातार तालियां बजाने लगे। इसके बाद पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि समझदार को इशारा ही काफी होता है।

26 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के प्रगति मैदान में नए इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम के उदघाटन के अवसर पर अपने भाषण में कहा कि, मेरे तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा, ये मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी के चेहरे और भाषणों में झलकता आत्मविश्वास विपक्ष की बेचैनी का बड़ा कारण है।

बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर ऐलान किया कि अगले साल वे फिर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे और अपनी उपलब्धियों का ब्योरा पेश करेंगे। लेकिन यह अहंकार नहीं है। यह बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसी बात विपक्षी पार्टियां कर रही हैं। वास्तव में यह अहंकार का नहीं, बल्कि दोनों तरफ आत्मविश्वास का मामला है। एक तरफ विपक्ष इस आत्मविश्वास से भरा है कि अगले लोकसभा चुनाव में उसकी जीत होगी तो दूसरी ओर नरेंद्र मोदी इस भरोसे में हैं कि वे तीसरी और ऐतिहासिक जीत हासिल कर पंडित नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे।

केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों में ही नहीं, बल्कि उनकी सरकार के दूसरे कार्यकाल के आखिरी वर्ष में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश अंतरिम बजट से न केवल सरकार का आत्मविश्वास झलकता है कि वह अपने कार्यों के बल पर ही तीसरी बार सत्ता में वापसी करेगी, बल्कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने के उसके संकल्प का परिचय भी मिलता है। यह एक ऐसा अंतरिम बजट है, जिसमें सरकार ने चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को रिझाने के लिए कोई लोकलुभावन घोषणा नहीं की। ध्यान रहे 2019 के अंतरिम बजट में कई लोकलुभावन घोषणाएं की गई थीं। इस बार ऐसा कुछ नहीं किया गया। इसका मतलब है कि सरकार मानकर चल रही है कि जनता को उस पर भरोसा है कि वह देशहित में सही दिशा में काम कर रही है।

विकास की राजनीति का यह एक नया उदाहरण है। जब सामने लगातार तीसरी पारी की लड़ाई का मैदान सज रहा हो और यह अपेक्षा हो कि लो. कलुभावन घोषणाओं का तड़का लगेगा, तब नरेन्द्र मोदी सरकार की ओर से सामाजिक न्याय व समानता के अवसर पैदा करते हुए भविष्य के विकसित भारत का संकल्प दोहराना यह स्पष्ट करता है कि केंद्र में वापसी का विश्वास लबालब है। पीएम मोदी लोकलुभावन घ ोषणाओं के जरिए नहीं बल्कि अपने दस साल के ट्रैक रिकॉर्ड, जो कहा सो पूरा किया के नारे के साथ ही जनता से समर्थन चाहते हैं।

मोदी–2 की सरकार ने आते ही जम्मू कश्मीर से धारा 370 की विदाई कर दी। राम मंदिर का रास्ता साफ किया और सीएए, एनआरसी जैसे कानून लेकर आई। मोदी–2 कार्यकाल की विदाई के चार महीने पहले अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। पिछले दिनों आई एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी की मार से बाहर निकले हैं। ग्रामीण स्तर पर वह सारी सुविधाएं पहुंच रही हैं जो पहले छोटे शहरों तक में उपलब्ध नहीं था। बीमारी हर साल पुनः गरीबी के चपेट में आने का बड़ा कारण रहा है लेकिन आयुष्मान योजना ने उस दशा में परिवर्तन ला दिया। सड़क, रेल और हवाई यातायात का परिदृश्य बदल रहा है, मैन्यूफैक्चरिंग के कारण रोजगार के नए नए रास्ते खुले हैं। लोगों की औसत आय में 50 फीसद की बढ़ोत्तरी हुई है और सामान्य रूप से यह विमर्श बना है कि देश बदल रहा है, आने वाले समय में दूसरों के लिए पथ प्रदर्शक बनेगा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश आत्मविश्वास से भर रहा है और गौरव से भर रहा है। आज पूरे विश्व में भारत को लेकर सकारत्मकता, आशा, भरोसा बढ़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपार लोकप्रियता और अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर बने माहौल को देखते हुए केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना लगभग तय है। ब्रिटेन के प्रमु ख अखबार द गार्जियन में यह संभावना जताने के साथ ही कहा गया है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में जीत ने पार्टी की ताकत को और बढ़ाया ही है। अ खबार में हन्ना एलिस पीटरसन की तरफ से लिखे गए कॉलम में कहा गया है कि तीन राज्यों की जीत लोकसभा में भाजपा की संभावनाओं को और मजबूत करने वाली है। यही वजह है कि पीएम मोदी खुद इस विधानसभा चुनावों की जीत को 2024 में जीत की गारंटी बता चुके हैं। लेख में कहा गया है कि विपक्षी दलों की तरफ से कुछ ही माह पहले बनाया गया गठबंधन इंडिया ब्लॉक भले ही सामूहिक रूप से भाजपा के खिलाफ लड़ने की प्रतिबद्धता जताता रहा हो लेकिन वह अभी भी एकजुट नहीं हो पाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास के पीछे का कारण केवल खोखली राजनीतिक बयानबाजी नहीं है। इसके ठोस कारण हैं। पिछले दस वर्षों में जिस तरह से अलग अलग क्षेत्रों में भारत आत्मनिर्भर हुआ है, उसने यह शक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी है। न सिर्फ घरेलू मोर्चे पर भारत की उत्पादकता बढ़ी है बल्कि उसने कई क्षेत्रों में निर्यात भी शुरू किया है। अब से कुछ दशक पहले भारत हर छोटी बड़ी चीज के लिए विश्व के उन देशों का भी मुंह ताकत रहा, जो किसी न किसी तरीके से अपना हित साधने के लिए तमाम अंतरराष्ट्रीय उठापटक के लिए जिम्मेदार होते थे। मोदी सरकार की नीतियों ने ऐसे देशों की शक्ति और वर्चस्व वास्तव में कम की है और भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के तौर पर विश्व पटल पर खड़ा किया है। आज विश्व के तमाम बड़े, शक्तिशाली और उन्नत देश भी भारत की बढ़ती शक्ति, वर्चस्व और प्रभाव को स्वीकार रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण' को देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। उन्होंने अपने कार्यों के दम पर समूचे विपक्ष को इन्हीं तीन चीजों के दायरे में समेटा है। विपक्ष को इसका उत्तर देशवासियों को देना होगा। इसके अलावा सरकार की योजनाएं हैं, करोड़ों लाभार्थी हैं, भाजपा की मशीनरी है, संसाधन है, मोदी का व्यक्तित्व है, उनकी प्रचार करने और भाषण देने की अद्भुत क्षमता है और ऐसी अनेक चीजें हैं, जो उनको आत्मविश्वास देती हैं।

मोदी सरकार ने विपक्ष के सामने एक और चुनौती रखी है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही तीन राज्यों में भाजपा ने कांग्रेस को परास्त कर सरकार बनाई थी। अब सिर्फ रिपोर्ट कार्ड के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सजाए जा रहे मैदान में उतरने वाली है। विपक्षी गठबंधन का हाल देश की जनता देख ही रही है। सीटों के बंटवारे और तुच्छ स्वार्थों के लिए जिस तरह विपक्षी दल आपस में लड़ रहे हैं, उससे उनकी नीति और नीयत साफ तौर पर दिखाई देती है। विपक्षी दल जनता की सेवा करने या उसके मुद्दे उठाने की बजाय खुद को भ्रष्टाचार से बचाने की जुगत में लगे हैं। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। जैसे–जैसे उनकी यात्रा आगे बढ़ रही है, वैसे वैसे इंडी गठबंधन में अविष्वास भी बढ़ रहा है। इंडिया गठबंधन लगभग खत्म होने की कगार पर है। विपक्ष को यह समझ नहीं आ रहा है कि वो देश के सामने किस मुद्दे को लेकर जाएं और किस मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरें। वास्तव में लोकसभा चुनाव की लड़ाई विश्वास की होगी। अब यह देशवासियों को तय करना है कि उनका भरोसा किस पर है– विकसित भारत की मोदी गारंटी पर या विपक्ष पर।

भजन लाल शर्मा सरकार के बजट में दिखा मोदी का विजन

राजस्थान में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा विध. ानसभा में पेश किए गए भाजपा सरकार के पहले लेखा अनुदान (अंतरिम बजट) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन परिलक्षित हुआ है। यह बजट पूरी तरह से आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर लोक लुभावना बनाया गया है। हालांकि अंतरिम बजट होने के कारण इसमें अधिक घोषणायें नहीं की गई हैं। फिर भी बजट में ऐसी अन्य को बातों को शामिल किया गया है जिसका असर सीधे आम लोगों पर पड़ता है। विध. ानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कई गारंटी दी थी। प्रधानमंत्री मोदी की बहुत–सी गारंटीयों को इस बजट में शामिल किया गया है। अनुभव के हिसाब से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वित्तमंत्री के रूप में पहला बजट पेश किया था। मगर जिस तरह से उन्होंने बजट भाषण पढ़ा उसमें पूरा आत्मविश्वास झलक रहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का यह पहला बजट था। इस कारण सरकार को चुनाव के दौरान किए गए लोक लुभावने वायदों को बजट में शामिल किया जाना बहुत जरूरी था। उसी को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने बजट में महिला. ओं, बुजुर्गों, युवाओं, किसानों, व्यापारियों, धर्माचार्य को खुश करने के लिए बजट में कई तरह के प्रावधान किए हैं। प्रदेश में बुजुर्गों को अभी तक रोडवेज की बसों में 30 प्रतिशत किराए में छूट मिलती थी जिसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा मासिक पेंशन को एक हजार रूपये से बढ़कर 1150 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने बजट में 70 हजार युवाओं को नई नौकरी देने की घोषणा की है। इसके लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के द्वारा भर्ती कैलेंडर भी बनाने की बात कही गई है। राजस्थान में पिछली अशोक गहलोत सरकार के ि खलाफ सबसे बड़ा मुद्दा भर्ती परीक्षाओं में हो रही ध. ांधली को लेकर था। गहलोत सरकार के कार्यकाल में 18 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण परी

क्षाओं को निरस्त करना पड़ा था। बाद में प्रशासनिक परीक्षाओं में भी कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के परिजनों के चयन को लेकर विवाद हुआ था। जिसके चलते आम जन में गहलोत सरकार की नकारात्मक छवि बनी थी। इस बात को ध्यान में रखकर भाजपा सरकार ने अपने पहले ही बजट में युवाओं को लुभाने के लिए एक साथ 70 हजार नयी भर्तियों की घोषणा की है। हालांकि भाजपा ने चुनाव से पहले राजस्थान लोक सेवा आयोग में आमूल चूल परिवर्तन करने की बात भी कही थी। मगर उस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। भाजपा को पता है कि प्रदेश के युवा मतदाताओं की बदौलत ही उनकी सरकार बन पाई है। ऐसे में उन्हें अपने साथ जोड़े रखना बहुत जरूरी है।

संविदा पर काम कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिन, सहायिकाओं के साथ ही अन्य संविदा कर्मियों तथा पंचायती राज व नगरीय निकायों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को मिलने वाले मासिक भत्ते में भी 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। प्रदेश में इसका बड़ा असर होगा तथा कई लाख लोगों को इस बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को फायदा मिल पाएगा। अपने बजट भाषण के दौरान जब कांग्रेस नेता शांति धारीवाल बार–बार उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को टोक रहे थे तो उन्होंने धारीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सिर्फ मर्दों का प्रदेश नहीं है। यहां पर महिलाएं भी बराबर की संख्या में हैं। उनके पास भी वोट की शक्ति है। इसी के चलते राज्य सरकार ने अपने अंतरिम बजट में महिलाओं के हित की कई योजनाओं की घ ोषणा कर उन पर पूरा फोकस रखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक करोड़ नई ल खपति दीदी बनाने की घोषणा की थी, उसी की तर्ज पर राजस्थान के बजट में भी 5 लाख परिवार की महिलाओं को लखपति दीदी योजना में शामिल कर उनकी आय को एक लाख से अधिक बढ़ाया जाएगा। गरीब परिवारों में कन्या के जन्म पर एक लाख रुपये का सेविंग बांड दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में प्रथम प्रसव पर 6 हजार रुपये दिए जाएंगे। जबकि अभी तक यह राशि पांच हजार थी। प्रदेश के सभी ब्लॉकों में एक–एक आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र की स्थापना की जाएगी। प्रदेश में महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क बनेगी। सभी नारी निकेतनो में सीसीटीवी टीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

किसानों के लिए भी बजट में कई घोषणाएं की गई हैं। पीएम किसान निधि में मिल रहे 6000 की राशि को बढ़ाकर 8000 रुपये प्रतिवर्ष किया गया है। इस तरह हर किसान को साल में 2000 रुपये का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसे आगे बढ़कर 12000 रुपये तक किया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर गोपाल क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे चालू वर्ष में 5 लाख गोपालक परिवारों को एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध करवाया जाएगा। करीबन 33 लाख किसानों को विभिन्न फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। अल्पआय, लघु सीमांत ,बटाईदार किसानों, खेती और श्रमिकों के बच्चों को केजी से पीजी तक की मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। हालांकि सरकारी स्कूलों में आठवीं तक पढ़ाई और 12वीं तक किताबें पहले से फ्री दी जा रही है। 9वीं से 12वीं तक आंशिक फीस ही ली जा रही है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना का नाम बदलकर अब मु ख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया गया है। जिसमें कैंसर का डे केयर इलाज को भी शामिल किया गया है। हाईवे पर हादसों में जान बचाने के लिए 25 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सूर्योदय योजना की घोषणा की थी। जिसके अंतर्गत राजस्थान के 5 लाख घरों पर रूफ टॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे। जिससे उन परिवारों के लोगों को 300 यूनिट तक प्रतिमा बिजली निःशुल्क मिल सकेगी। प्रदेश में मन्दिरों के उन्नयन पर 320 करोड़ रुपये खर्च किये जाने का प्रावधान किया गया है। इससे विभिन्न धर्माचार्यों का सरकार को समर्थन मिलेगा।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सभी चुनावी जनसभाओं में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल की अधिक कीमतों का विरोध करते हुए भाजपा सरकार बनने पर उन्हें कम करने का वायदा किया था। मगर राज्य सरकार के बजट में उस पर कोई प्रावधान नहीं किया गया है। जबकि प्रदेश के लोगों को अपने पड़ोसी राज्यों की तुलना में आज भी महंगी दरों पर पेट्रोल, डीजल खरीदना पड़ रहा है। इससे लोगों के मन में निराशा व्याप्त हुई है। प्रदेश के लोगों का कहना है कि राज्य सरकार को पेट्रोल, डीजल की कीमतों में अविलम्ब कमी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करना चाहिए। जिससे आमजन को राहत मिल सकें। हालांकि सरकार ने चीनी व गुड़ से मंडी टैक्स हटाकर महंगाई कम करने का प्रयास किया है। इससे व्यापारिक वर्ग की एक पुरानी मांग पूरी हुई है।

मुख्यमंत्री ने किया वृहद रोजगार मेले का शुभारम्भ

उत्तर प्रदेश नए भारत का नया उत्तर प्रदेशःयोगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित वृहद रोजगार मेले का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न कम्पनियों में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र का वितरण करने के साथ ही विभिन्न कम्पनियों, विभागों के स्टालों का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक वर्ष में दूसरी बार मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वृहद रोजगार मेला का आयोजन हो रहा है जिसमें लगभग 15 हजार युवाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो नौजवान यहां प्लेसमेंट नही पाये है वे प्रयास करते रहें। उनके लिए भी शासन द्वारा रोजगार सृजन का कार्य हो रहा है। हर हाथ को काम आज उ.प्र. शासन का प्राथमिकता में है। आज का यह उ.प्र. नए भारत का एक नया उ.प्र. है जहां हर क्षेत्र में सफलता के नित नए प्रतिमान स्थापित हो रहे हैं। नए माडल दिए जा रहे है। डाटा टेक्नालोजी से जुड़कर व्यावसायिक शिक्षा विभाग वैश्विक मानक के अनुरूप नये कोर्सेज के लिए कार्य कर रहा है। विगत दिनों से पूरे विश्व में कुशल एवं योग्य युवाओं की मांग हो रही है। शासन ने व्यावसायिक शिक्षा विभाग के माध्यम से इजरायल, रूस, जर्मनी से संवाद स्थापित करके युवाओं को रोजगार के लिए वहां भेजने का कार्य किया है। इजरायल ने 1200 युवाओं के अपने लक्ष्य के सापेक्ष उ.प्र. से 5000 युवाओं का चयन किया है। वहां इन युवाओं को मुफ्त में भोजन व आवास के साथ 1.5 लाख रुपए प्रतिमाह का वेतन प्राप्त होगा। यहां के युवा आईटीआई करके 1.5 लाख रुपए प्रतिमाह कमा रहा है इससे उसके घर के साथ पूरे गांव व राज्य व पूरे राष्ट्र में खुशहाली आएगी।

श्री योगी ने कहा कि जर्मनी में भी अच्छे नर्सिंग प्रोफेशनल्स की अत्यधिक मांग है हमें इसके लिए ध्यान देना होगा। एक प्लेसमेंट सेल के माध्यम से युवाओं का कैरियर काउंसलिंग कर उनको देश व विदेश में रोजगार के अवसर से जागरूक कराना होगा। युवाओं को उस देश के भाषा के लिए भी प्रशिक्षित करने के कार्यक्रम को भी शुरू करना होगा। प्रशिक्षण के दौरान ही उन्हें उस देश की भाषा सिखा दी जाएगी, तो उन्हें एक बेहतरीन पैकेज की प्राप्ति भी हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व एशिया व दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में भी कुशल युवाओं की मांग है। इजरायल फिर से यहां के युवाओं के लिए मांग कर रहा है। इसके लिए कौशल विकास विभाग के साथ सभी को प्रयास कर युवाओं को उस योग्य बनाने का प्रयास करना होगा। उन्हें उस प्रकार के कोर्सेज व वहां की भाषा को सिखाने के लिए कार्य करना होगा। हम सभी को उनको इन अवसरों का लाभ देना होगा। सभी प्रशिक्षण संस्थाओं को इसके लिए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए है जिससे 1 करोड़ 10 लाख युवाओं को नौकरी प्राप्त होगी।

इंडस्ट्री की मांग को समझकर सभी आईटीआई, पॉलिटेक्निक उसके अनुसार ट्रेड व पाठ्यक्रम तैयार करें। युवाओं को जाब व सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए। युवाओं को ट्रेनिंग से जोड़कर उन्हें आगे बढ़ाना चाहिए। मुख्यमंत्री इंटर्नशिप कार्यक्रम के साथ युवाओं को जोड़कर आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। इस योजना में आधा मानदेय सरकार व आधा इडस्ट्री द्व ारा दिया जाता है। इससे युवा अपने शिक्षा के दौरान परिवार पर न निर्भर होकर आत्म निर्भर रहेगा। इसमें उसको शिक्षा के साथ मानदेय भी प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एमएसएमई में 96 लाख यूनिट है। इन 96 लाख यूनिट को बाजार व तकनीक से जोड़कर एक्सपोर्ट

के लिए अच्छी पैकेजिंग की सुविधा प्राप्त करनी होगी। इससे वैश्विक मांग के अनुसार उत्पाद की व्यवस्था कर सकेंगे। इसके अलावा भी अन्य कार्य कर सकते है। नौजवान को आज अच्छे पैकेज पर जाब प्राप्त हो रहा है जो यह दिखाती है कि कोई भी कार्य जैसे कारीगरी, हस्तशिल्प भी अच्छी आय प्राप्त कर रहे है। उन्होंने कहा कि इसके लिए शासन भी प्रशिक्षण की भी व्यवस्था कर रही है। भारत सरकार प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं राज्य सरकार विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के रूप में यह कार्यक्रम चला रही है। इसमें प्रशिक्षण के

साथ उन्हें टूल भी दिये जा रहे है। सरकार द्वारा उद्यमियों के लिए ब्याज रहित लोन देने का कार्य भी किया जा रहा है। इसमें पहले चरण में 5 लाख व उसके बाद 7.5 लाख रूपये तक लोन दिया जा रहा है। अगर एक युवा को कार्य के लिए ऋण दिया जाता है तो वह स्वरोजगार के साथ दूसरों को भी रोजगार देने का माध्यम बनता है। सरकार युवा उद्यमियों को एक नए प्रोत्साहन पैकेज की भी घोषणा करने जा रही है। इसमें लाखों युवा रोजगार से जुड़ सकते है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप पिछले कुछ बर्षो के प्रयास के फलस्वरूप आज उत्तर प्रदेश के लोगों का पैसा उत्तर प्रदेश में ही खर्च हो रहा है। उत्तर प्रदेश का सीडी औसत आज 42 प्रतिशत से बढ़कर 56 प्रतिशत हो चुका है। यह उत्तर प्रदेश के विकास में बड़ा योगदान दे रहा है। इन्हीं प्रयासों के कारण आज देश में उत्तर प्रदेश छठवीं अर्थव्यवस्था से उठकर दूसरी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह खुद को देश में एक अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित कर रहा है। इस उपलब्धि में युवाओं की भी बड़ी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों को युवाओं की स्किल मैपिंग कर उनकी क्षमता को पहचान कर उनका मार्गदर्शन करें। इसके लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी संस्थानों के लिए एक मंच का कार्य करेगी। इस शिक्षा नीति में परम्परागत पाठ्यक्रम के साथ ही स्किल पर भी ध्यान दिया गया है ताकि शिक्षा प्राप्त करने के बाद युवा को रोजगार के लिए न भटकना पड़े। इससे बेरोजगारी का भी उन्मूलन हो सकेगा। शासन के प्रयासो के बाद आज उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर 19 प्रतिशत से घ टकर मात्र 2 प्रतिशत रह गई है। आज उत्तर प्रदेश में विकास के हर क्षेत्र में संभावनाएं हैं। हमें उनका पंजीकरण कर व कुशलता प्रदान कर उनके योग्य नौकरी देने की आवश्यकता है। इस कार्य को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। नौकरी के साथ कार्य स्थल पर उनके रहने व शोषण से बचाव के लिए भी कार्य करने की जरूरत है। सरकार इसके लिए विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। निजी क्षेत्र को भी इससे जुड़ने के लिए विभिन्न इन्सेटिव कार्यक्रम भी शासन द्वारा चलाया जा रहा है। आज पूरे विश्व में उत्तर प्रदेश के स्किल युवाओं की मांग को देखते हुए हम सबको उस दिशा में काम करने की आवश्यकता है। इसके ध्यान मे रखते हुए सरकार टाटा टेक्नोलाजी के साथ मिलकर 150 विश्वस्तरीय आईटीआई बनाने जा रही है।

इस अवसर पर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में प्रदेश चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश सरकार युवाओं को लगातार कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने का अभियान चला रहा है। आज उत्तर प्रदेश तीव्रगति से आगे बढ़ रहा है। मंत्री जी कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत परामपरागत पाठ्यक्रम के साथ साथ कौशल विकास के पाठ्यक्रम जोड़े गये है ताकि हर युवा के हाथ में हुनर हो और प्रदेश का युवा नौकरी लेने के बजाय नौकरी देने वाला बनें। इसी दृष्टिकोण को प्रदेश सरकार आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

इस अवसर पर सदर सांसद रविकिशन शुक्ला ने भी लोगों को संबोधित किया।

देश की आर्थिक वृद्धि में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिकाः द्रौपदी मुर्मू

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि फसल बीमा योजना और सिंचाई नीति और न्यूनतम समर्थन मूल्य सहित सरकार की नीतियां भारतीय किसानों को सशक्त बना रही हैं गत शुक्रवार को नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिषद के 62 वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने किसानों को गरीबी से बाहर निकालने और उनकी फसल का सही मूल्य सुनिश्चित करने के लिए और अधिक कार्य करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

जुमे की नमाज के मद्देनजर मंडलायुक्त, डीआईजी एवं जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

गोरखपुर। शहर में जुम्मे की नमाज को सकुशल एवं शांति पूर्वक संपन्न कराने के मद्देनजर मंडलायुक्त अनिल ढींगरा ने डीआईजी आनंद कुलकर्णी एवं जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश के साथ घंटाघर, रेती, बक्शीपुर आदि स्थानों का स्थलीय निरीक्षण करके सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। निरीक्षण के उपरांत मंडलायुक्त ने बक्शीपुर पुलिस चौकी में डीआईजी , जिलाधिकारी, एसपी सिटी के साथ बैठक कर जनपद में सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लेने के साथ आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधिकारयों ने बताया कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। कुछ स्थानों पर पर पुलिस द्वारा मार्च भी किया जा रहा है। सभी धार्मिक स्थलों एवं चौराहों पर भारी पुलिस बल की उपस्थिति के साथ सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। शरारती तत्वों पर गहन निगरानी रखी जा रही है। इस अवसर पर एसपी सिटी कृष्ण कुमार विश्नोई भी मौजूद थे।

शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में विश्व में चौथे स्थान पर पहुचना भारत की बड़ी कामयाबी

भारत आज अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में नित नई ऊंचाईयां छू रहा है। दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रान्स एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवां स्थान हासिल किया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, अब दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। एक ईसवीं से लेकर 1750 ईसवीं तक आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में भारत का बोलबाला था। इस खंडकाल में विश्व के कुल विदेशी व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से भी अधिक की रही है क्योंकि उस समय पर भारत में सनातन संस्कृति का पालन करते हुए व्यापार किया जाता था। भारत में कर्म एवं अर्थ के कार्यों को धर्म का पालन करते हुए करने की प्रथा का पुरातन शास्त्रों में वर्णन मिलता है। भारत में चूंकि आज एक बार पुनः सनातन संस्कृति का पालन करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य सम्पन्न हो रहे हैं अतः पूरे विश्व का भारत पर विश्वास बढ़ रहा है अतः न केवल विदेशी वित्तीय संस्थान बल्कि विदेशी नागरिक भी भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में अपने निवेश को लगातार बढ़ाते जा रहे हैं।

भारत में नेशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था और आज यह 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया है। इस प्रकार भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 50.86 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 8.44 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को ऋणात्मक प्रतिफल दिए हैं। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चौथे स्थान पर भारत का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पांचवें स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जिस तेज गति से भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे बढ़ रहा है, अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि कुछ समय पश्चात ही भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण जापान शेयर बाजार के पूंजीकरण को पीछे छोड़ते हुए पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगा।

भारतीय शेयर बाजार आज विदेशी नि. वेशकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन गया है क्योंकि भारतीय शेयर बाजार अपने निवेशकों को भारी लाभ दे रहा है। हाल ही में सम्पन्न किए गए एक सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है कि विश्व के 100 बड़े निवेशक फंड जिनकी संपतियां 26.25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की हैं, ने चीन के स्थान पर भारत में अपने निवेश बढ़ाने की बात की है। भारत के बाद ब्राजील एवं चीन में ये फंड अपने निवेश की बात कर रहे हैं। वर्ष 2023 में विभिन्न विद. शी निवेशक फंडों ने 2000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश भारत के शेयर बाजार में किया है। पिछले लगातार 8 वर्षों के दौरान भारतीय शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को लाभ दिया है जबकि विश्व के कई बड़े बाजार यथा चीन, हांगकांग एवं जापान जैसे बाजार भी लगातार यह लाभ नहीं दे पाए हैं। भारतीय शेयर बाजार ने वर्ष 2023 में अपने निवेशकों को 10 प्रतिशत से अधिक का लाभ दिया है।

भारत विश्व में विकास के इंजन के रूप में उभर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि वर्ष 2024 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में भारत का योगदान 16 प्रतिशत से भी अधिक का रहने वाला है। जब अन्य देशों की विकास दर कम हो रही हैं तब भारत में आर्थिक विकास दर तेज हो रही हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा देश में लागू की जा रही आर्थिक नीतियों के कारण सम्भव हो पा रहा है। देश में मंदिर अर्थव्यवस्था एवं धार्मिक पर्यटन के बढ़ते आधार के चलते ही यह सम्भव हो पा रहा है। जब भारत की विकास दर बढ़ रही है तो भारत में कार्य कर रही विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत कम्पनियों का व्यापार भी बढ़ रहा है और भारतीय पूंजी बाजार में इन कम्पनियों के शेयरों की कीमत भी बढ़ रही है। अतः विदेशी संस्थान सहित विदेशी नागरिक भी अपने निवेश पर अधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। विदेशी निवेशक एवं विदेशी संस्थान जो माह सितम्बर 2023 तक भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे थे, अब अचानक भारी मात्रा में भारतीय शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। आज कई बार तो एक दिन में 5000 करोड़ रुपए से भी अधिक की राशि का निवेश इन विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में किया जा रहा है।

केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों द्वारा कई बार यह आरोप लगाया जाता है कि भारत में सरकारी उपक्रमों को समाप्त किया जा रहा है। जबकि पिछले 27 माह के खंडकाल के दौरान सरकारी उपक्रमों का पूंजीकरण शेयर बाजार में दुगना होकर 46.40 लाख करोड़ रुपए से भी अधिक का हो गया है। सरकारी उपक्रमों ने अपने बाजार पूंजीकरण में इस अवधि में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की है। बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज का सेन्सेक्स पिछले 27 माह में 60,000 के स्तर से 70,000 के स्तर को पार कर गया है। इन सरकारी उपक्रमों के कोरपोरेट गवर्नन्स में भारी सुधार हुआ है, जिसके चलते न केवल विदेशी निवेशकों का बल्कि भारत के संस्थागत निवेशकों एवं खुदरा निवेशकों का भी विश्वास इन सरकारी उपक्रमों पर बढ़ा है।

केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लगातार लागू किए जा रहे विभिन्न सुधार कार्यक्रमों के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक, विदेशी खुदरा निवेशक एवं विदेशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारतीय कम्पनियों में भारी मात्रा में शेयर बाजार के माध्यम से निवेश कर रहे हैं। हाल ही के समय में भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है जिससे इन कम्पनियों के विभिन्न वित्तीय अनुपात बहुत आकर्षक बन गए हैं। जबकि चीन, हांगकांग, ब्रिटेन, जापान जैसे शेयर बाजार अपने निवेशकों को ऋणात्मक अथवा बहुत कम रिटर्न दे पा रहे हैं। कई विदेशी संस्थान निवेशक तो चीन, हांगकांग आदि देशों से अपना पूंजी निवेश निकालकर भारतीय शेयर बाजार में कर रहे हैं। इससे आगे आने वाले समय में भी भारतीय शेयर बाजार में वृद्धि दर आकर्षक बनी रहेगी, इसकी भरपूर सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

ऐसा कहा जाता है कि शेयर बाजार में निवेशक अपनी जमापूंजी का निवेश बहुत सोच विचार कर करता है एवं जब निवेशकों को यह आभास होने लगता है कि अमुक कम्पनी का भविष्य बहुत उज्ज्वल है एवं निवेशक द्वारा किए गए निवेश पर प्रतिफल अधिकतम रहने की सम्भावना है, तभी नि. वेशक अपनी जमापूंजी को शेयर बाजार में उस अमुक कम्पनी में निवेश करते है। इस प्रकार, जब किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर निवेशकों का भरोसा बढ़ता हुआ दिखाई देता है तो विशेष रूप से विदेशी नि. वेशक एवं विदेशी संस्थागत निवेशक उस देश में विभिन्न कम्पनियों के शेयर में अपनी निवेश बढ़ाते हैं। चूंकि विदेशी संस्थानों को आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था पर एवं भारतीय कम्पनियों की विकास यात्रा पर भरपूर भरोसा है अतः भारतीय शेयर बाजार में निवेश भी रफ्तार पकड़ रहा है।

मानवतावादी कवि : मुकेश कुमार

साहित्य की सार्थकता उसके मूल्य पर निर्भर होता है। साहित्य सदैव मूल्यवान होना चाहिए, साहित्य में निहित सामाजिक, नैतिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक तत्वों पर सृजित होना ही मूल उद्देश्य है। साहित्य समाज का दर्पण होता है और यह तत्व किसी भी युग के साहित्य को प्रभावित करता है। साहित्य चाहे प्राचीन काल का हो आधुनिक साहित्य हो मनुष्य की भावनाएं, हर्ष, उल्लास, क्रोध, द्वेष आदि सभी गुणों का मूल्यांकन करता है। परंतु खरा साहित्य वही उतरता है जिसमें मानवीय मूल्य हो, समाज के हित में हो, राष्ट्र के हित में हो। जो पाठक साहित्य की किसी भी विधा को पढ़ते हैं तो उसे वह साहित्य अपनी जिंदगी का एहसास करना चाहिए। जब तक साहित्य अपना नहीं लगता तब तक वह साहित्य सार्थक नहीं होता। आज हम इस संदर्भ में श्री मुकेश कुमार ऋषि वर्मा की कुछ कविताओं पर चर्चा कर रहे हैं क्योंकि ये कविताएं हमें अपनेपन की महसूस कराती है। उनकी एक कविताएं मानवतावादी कविताएं हैं, हर एक पाठक के हृदय को स्पर्श करती है।

संसार में सच्चा सुख कहां है सामान्य आदमी से लेकर साधु संत भी इस खोज में रहते हैं। जो व्यक्ति दूसरों को सुख देकर जीता है वही सच्चा सुखी होता है। परोपकार में जो सुख है वह किसी अन्य चीज में नहीं है। दूसरों का दुख बांट लेना, उनके कष्ट में उनके साथ रहना वास्तव में यही एक सात्विक जीवन है। इसलिए श्री मुकेश कुमार ऋषिवर्मा जी अपनी कविता में कहते हैं –

"मैं नहीं चाहता कोई बरबाद हो?
मैं हमेशा से ही आबाद का समर्थक रहा हूं
तो भला कैसे किसी को गिरा सकता हूं?
मैं आस्तीन में छुपा कोई सांप नहीं।
मैं हूं एक खुली किताब
मेरे अंदर समाया है
जमाने भर का दर्द।"

गांव में जो सुख समाधान मिलता है वह शहर में नगरों में कभी नहीं मिल सकता। पर आजकल शहरों ने गांवों तक अपने बाहुओं को फैलाया है। स्वर्ग से दिखने वाले गांव आज शहर में तब्दील हो रहे हैं। यह जो परिवर्तन आ रहा है इसे विकास के नाम से पहचाना जाता है, पर दूसरी ओर यह आम जिंदगी के साथ खिलवाड़ है। गांव में जो शुद्ध हवा बहती है, शुद्ध पानी मिलता है, सौंधी मिट्टी की खुशबू महकती है, गांव में जो कोयल गाती हैं यह सब शहरों में कहां मिलता है? इसी विडंबना को कवि अपने शब्दों में व्यक्त करते हैं –

"कभी बड़ा खूबसूरत था मेरा गांव
मिलती थी बरगद वाली ठंडी छांव।
शहरों ने सीमा जब से तोड़ी
गांव की पगडंडिया हुई चौड़ी।
कभी बड़ा खूबसूरत था मेरा गांव
अब पहले जैसा नहीं रहा मेरा गांव।"

भारत को हम विश्व गुरु के रूप में मान्य करते हैं, भारत विश्व का सबसे बड़ा शक्तिशाली राष्ट्र है। लेकिन भारत में जो ज्वलंत समस्या है बेरोजगारी, बढ़ती हुई जनसंख्या, आतंकवाद, भ्रष्टाचार आदि। यह जो समस्याएं हैं इनमें सबसे अपने ही देश के लिए धो खाधायक समस्या भ्रष्टाचार की है। भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जिससे अपने ही लोग अपने ही लोगों को लूट रहे हैं। जिससे देश की प्रगति तो नहीं होगी सिर्फ एक व्यक्ति की प्रगति हो सकती है वह भ्रष्टाचारी अपनी प्रगति कर सकता है। आज राष्ट्र सर्वोपरि की बातें होती है वहीं पर ऐसे भ्रष्टाचारी अपना परचम लहरा रहे हैं। इसीलिए कवि अपना दुख खुले आम व्यक्त कर रहे हैं –

"भ्रष्टाचार बन गया शिष्टाचार
भुखमरी–गरीबी का गरम बाजार।
जनतंत्र बन गया आज मजाक
संसद में जा बैठे चोर हजार।
हे सुभाष भगत बिस्मिल अशफाक
कब होगा भारत भू पर सच्चा उजियार।
भ्रष्टाचार बन गया अब तो शिष्टाचार
आम आदमी जाए कहां किस द्वारा।"

इस ब्रह्मांड का सृष्टिकर्ता एक है, देव एक नाम अनेक, जाति धर्म अनेक इंसान एक, लहू का रंग एक। ऐसी बड़ी–बड़ी बातें खाने में एवं सुनने में बहुत अच्छी लगती है। परंतु वास्तव में इस पवित्र धरा पर ऐसा कुछ होता ही नहीं है और कोई मानता भी नहीं है। जाति धर्म के नाम पर, मजहब के नाम पर, यहां तक की भगवान के नाम पर भी यहां पर आतंक फैलाया जाता है खून खराब होता है। इंसानियत की किसी को कुछ भी यहां पर लेना देना नहीं है, हम लोग जाति धर्म के पीछे पड़े हुए हैं, स्वजन हित में लिपटे हुए हैं। ऐसी भावना हमें भरी हुई है तो हमें भगवान का दर्शन कैसे होगा। इंसानों में हम इंसानियत नहीं रखते हैं तो इंसान कैसे कहलाएंगे? इस धरातल पर यह जो नौटंकी होती है इसे रोकना होगा वरना बहुत देर हो जाएगी कोई नहीं बच पाएगा। इस संदर्भ में कवि की हे प्रभु कविता के पंक्तियां बहुत ही यथोचित लगती है

"जल थल नभ सर्वत्र वास प्रभु तेरा
कोटि–कोटि नमन स्वीकार करो मेरा।
ईश्वर अल्लाह गॉड गुरु तेरे रूप अनेक
इंसानों की आंखों का धोखा, ईश्वर एक।
धरती के इंसानों ने नाम बनाया, रूप बनाया
प्रभु तुझे बांटकर मंदिर मस्जिद में बैठाया।
हे प्रभु दे दो सतबुद्धि लटके इंसानों को ।।"

वहीं दूसरी ओर कवि कहते हैं कि यह हमारा इंसान कब होश में आएगा क्योंकि असल में कोई जाति धर्म या कोई हिंदू मुस्लिम खतरे में होता नहीं है। जिस देश में नारी की पूजा होनी चाहिए थी वहीं पर आज इस नारी पर दिनदहाड़े अत्याचार होते हैं खुले आम उसे बदनाम किया जाता है।

"न हिंदू खतरे में है
न मुसलमान
न सिख इसाई
खतरे में तो मेरे देश की बेटियां हैं।
जो आए दिन
बनती है शिकार
हैवानों की शैतानों की ।"

एक परिवार के प्रति पिता की जिम्मेदारी बहुत ही अहम होती है। एक पिता अपने बच्चों के लिए सारा संसार होता है, एक पिता परिवार के सपनों का साकार होता है। एक पिता अपने परिवार के लिए अपनी सारी उम्र लगाकर परिवार की रक्षा करता है परिवार के सदस्यों का पालन पोषण करता है। एक पिता परिवार के सभी सदस्यों के लिए सर्वस्व होता है। आदरणीय कवि मित्र श्री मुकेश कुमार ऋषिवर्मा जी पिता के बारे में लिखते हैं –

"पिता परिवार की प्राणवायु है
पिता परिवार के प्रत्येक सदस्य की आयु है।
पिता का प्रेम सदा अदृश्य ही रहता है
पिता हंसते–हंसते कड़वा जहर पीता है।
पिता से बड़ा नहीं कोई भगवान
पिता परिवार की अमिट पहचान।"

जैसी चाह वैसी राह के अनुसार जीवन को कैसे बनाना है वह हमारे हाथ में होता है जैसी हमारी दृष्टि होती है वैसी सृष्टि हमें दिखती है। जीवन का भी वैसा ही है अगर जीवन को हम गमों का सागर मान लेंगे तो वैसा ही हमें महसूस होगा, अगर जीवन को हम सुंदर मधुबन मानेंगे तो सुंदर स्वर्ग सा लगने लगता है। हमारा जीवन परोपकारी हो, हमारा जीवन इस पवित्र मातृभूमि के लिए हो, हमारा जीवन सर्वहित के लिए हो तभी हमारा जीवन सार्थक बन पाएगा। परम मित्र श्री मुकेश कुमार ऋषिवर्मा जी जीवन के बारे में लिखते हैं –

"वसुंधरा को नेक कर्मों से स्वर्ग बनाओ।
राष्ट्रहित तन–मन–धन अर्पण कर जाओ।।
अच्छे कर्मों से जग बगिया महाकावे।
निर्भय हो जीवन सुखमय जीते जाओ।।"

कुल मिलाकर हम यह स्पष्ट कह सकते हैं कि मुकेश कुमार ऋषि वर्मा जी की कविताएं मानव जीवन के हित में है, समाज के हित में है, राष्ट्र के हित में है। इसलिए उनकी हर एक कविताएं मानव मन को भा जाती हैं, पाठक को सोचने को विवश करती है।

प्रस्तुतिः
डॉ सुनील कुमार परीट
बेलगांव कर्नाटक

हूँ ...मैं

अपने डर से बहुत –बार लड़ा हूँ.... मैं ।
जीने की हर कोशिश में
बहुत–बार मरा हूं मैं।
सैकड़ों बार टूट –टूट के
फिर उन टुकड़ों को जोड़ कर जुड़ा हूँ.. मैं।
अपने डर से बहुत –बार लड़ा हूँ.... मैं ।
अपनों ने ही खींचे थे पाव।
सैकड़ो बार गिरकर लड़खड़ाते हुए
फिर भी खड़ा हूँ ..मैं।
मिले तो थे हाथ साथ मगर।
जिंदगी की राह पर फिर भी अकेला चला हूँ.. मैं।
अपने डर से बहुत –बार लड़ा हूँ.... मैं ।
सवाल बन के क्यों...रह गई जिंदगी।
हर उस जवाब की तलाश में अब चला हूँ...मैं।
उम्मीदों से छुड़ाकर हाथ अपना।
आज आपने साथ पहली बार चला हूँ...मैं।

प्रीति शर्मा 'असीम '
नालागढ़ हिमाचल प्रदेश

हंसना मुस्कुराना दोनों हैं अपने हाथ

अच्छे का इंतजार करते करते
जो मिला था वह भी गंवा दिया
तृष्णा रही बहुत कुछ पाने की
जिसने दिया उसी को भुला दिया
जीवन निकल गया मिला कुछ नहीं
जो चल रहा है उसी में मज़ा लीजिए
हर वक्त क्यों रहते हो तनाव में
अपने आप को मत यूं सजा दीजिए
हंसना मुस्कुराना दोनों हैं अपने हाथ
यह आप पर निर्भर है आपको क्या चाहिए
अवसर मत ढूंढिए कोई हंसने का
बिना बात के भी कभी कभी मुस्कुराइए
मन में मत कुछ रखिये
जो मन को भाय वह पीजिए खाइए
घर में बैठ कर क्यों करते हो वक्त बर्बाद
कुछ समय निकाल कर बाहर घूम आइए
दीन दुखियों के साथ कुछ वक्त बिताइए
दोस्तों के साथ दूर तक टहलने निकल जाइए
बुजुर्गों के साथ बैठिए गप्पें मारिये
मुस्कुराने की बजह उनको
दीजिए खुद भी मुस्कुराइए
सार्थक हो जाएगा आपका जीवन जो
आपके कारण दूसरों के होठों पर हंसी आएगी

ऊपर वाला भी
देखकर खुश होगा आपका काम
जीवन की बगिया में
खुशी हमेशा मुस्कुराएगी

रवींद्र कुमार शर्मा

बौद्धिक विकास और रचनात्मक शक्ति को बढ़ावा देने का संदेश

सांझा विरासत कार्य्रकम में रचनाकारों ने समां बांधा, वहीं गायकों ने बिखेरा आवाज का जादू

करनाल। कुंजपुरा गांव स्थित विकास क्लब भवन में रविवार को विकास क्लब साहित्य कला मंच के मासिक सांझा विरासत कार्यक्रम में मानव के बौद्धिक विकास और रचनात्मक शक्ति को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। रचनाकारों ने रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को बांधा, वहीं गायकों ने आवाज का जादू बिखेर तालियां बटोरी। मंच संचालन कर रहे शिक्षक अश्विनी शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। क्लब के संरक्षक संत प्रेमपाल सागर ने कहा कि जीवन की पगडंडी पर मुझे गहरे होते दाग मिले, कहीं जलते हुए मकान मिले तो कहीं बुझते हुए चिराग मिले ...। डॉ. एसके शर्मा ने कहा कि रास्ते खुद ही तबाही के निकाले मैंने कर दिया दिल कसम खाई है कर दिया खुद को खुदा के हवाले मैंने...।

समाजसेवी अंजु शर्मा ने कहा कि दोस्त ना कभी करे अहसान बात मेरी जाओ जान, भले रहे वो दूर या पास क्रोध करे कुछ देर बाद में जाए मान...। साहित्यकार मो. साबिर खान ने कहा कि नफरतें यूं ही अगर कायम रही तो एक दिन, आदमी से आदमी का फासला हो जाएगा... पंक्तियों के माध्यम से सामाजिक भाईचारे को मजबूती प्रदान की। रामेश्वर देव करनाल ने कहा कि तुम्हें दस्तूर दुनिया का निभाना भी नहीं आया,अकेले हम से मिलने का बहाना भी नहीं आया...। रचनाकार ममता प्रवीण ने कहा कि यह राम प्रतिपल पल–पल गढ़ा गया सच्चरित्र है, यह राम गंगा की धारा उधर रखते हो, अफराद हलाक हो सकते हैं सा पावन पवित्र है...।

डॉ. कमर रईस सोनीपत ने कहा कि जिनके अच्छे हकीब होते हैं, उनके आला नसीब होते हैं...।

सचिन कामरा ने अध्यात्म की परिभाषा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आत्मा के अध्ययन की यात्रा है।

राजपाल राजन कुंजपुरा ने कहा कि आप हमसे किस खुली हवा की बात करते हैं, हर झोंका जहर है किस सवा की बात करते हैं...। कमलेश कुमार पालीवाल ने कहा कि इश्क वाजिब था हम पर, जो हमने कर डाला, वुफा फर्ज है उन पर, देखें क्या करते हैं... संजोत सिंह ने कहा कि लिखने का जो हूनर रखते हो आंखें ईधर इतनी तीखी नजर रखते हो...।

हास्य कलाकार दिलबाग सिंह ने कहा कि तेरे बगैर जीना पड़ा तो जी लूंगा, गमें अश्कों को पीना पड़ा तो पी लूंगा, तू चला खंजर बड़े शौक से लेकिन, मुझे आता है जख्म सीना मैं सी लूंगा...। सचिन पालन दिवाना ने कहा कि मेरा दर्द आज भी मेरे यार समझते हैं, वो लोग मतलबी हैं जो मुझे बेकार समझते हैं...।

इस मौके पर पूर्व सरपंच महेंद्र सिंह फौजी, समाजसेवी रविंद्र गुगलानी, गायक सलिंद्र मचल, अंशुल राणा, भारतीय सद्भावना संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजपाल रोजड़ा, मुनिराज शर्मा, छात्रा सेजल गहलोत व अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

नियत समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

गोरखपुर। आईजीआरएस पोर्टल के लंबित एवं डिफाल्टर प्रकरणों के शत प्रतिशत एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के शासन के शख्त निर्देश के अनुसार नियत समयावधि में प्रकरण निस्तारित नही करने के कारण जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने उपनिदेशक पंचायत मण्डल गोर खपुर पंचायती राज विभाग दिनेश सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिलाधिकारी ने उन्हे पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के भीतर प्रकरण का समय पर आख्या नही प्रेषित करने का स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि उपनिदेशक पंचायत मंडल गोरखपुर ने शासन द्वारा 8 जनवरी 2024 को प्राप्त आईजीआरएस प्रकरण की आख्या नियत तिथि 7 फरवरी 2024 के उपरांत 8 फरवरी 2024 को दी जिससे प्रकरण डिफाल्टर श्रेणी में आ गया।

उन्होंने बताया की उपनिदेशक पंचायत मंडल ने 'यह प्रकरण अन्य विभाग से संबंधित है' की आख्या देने में नियत समय से ज्यादा समय लगा दिया। इसी प्रकार जिला. धिकारी ने नियत समय पर प्रकरण निस्तारित न करने के कारण बाल विकास परियोजना अधिकारी कैंपियरगंज अभय सिंह का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने का आदेश दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि बाल विकास परियोजना अधिकारी कैंपियरगंज ने आईजीआरएस कंट्रोल रूम द्वारा बार बार सूचित करने के बावजूद प्रकरण निस्तारण में रुचि नहीं ली जिसे प्रकरण डिफाल्टर श्रेणी में आ गया। डिफाल्टर प्रकरण की वजह से प्रदेश स्तर पर आईजीआरएस रैंकिंग में जनपद गोरखपुर की रैंकिंग में सुधार नहीं हो रहा है।

प्रिय पाठकों,

इस अंक में प्रकाशित सभी अग्रलेख, कथा–लघु कथा, कविता, व्यंग्य, विचार विमर्श लेखकों एवं विचारकों की अपनी कल्पना प्रसूति हैं। त्रुटियां मानवीय स्वभाव का अंग हैं जिनकी ओर ध्यान आकृष्ट करना एक जागरूक पाठक की विशेषता होती है।

अतः आप सभी सुधी विज्ञजनों, से ऐसी अपेक्षा की जाती है कि आप अपने पत्रों के माध्यम से इस अंक में प्रकाशित त्रुटियों की ओर ध्यान आकृष्ट भी समय–समय पर कराते रहें ताकि उन त्रुटियों की पुनरावृत्ति से बचा जा सके।

विवाद की स्थिति में न्यायालय, गोर खपुर का निर्णय अंतिम व मान्य होगा।

–व्यवस्थापक

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक पंकजधर द्विवेदी द्वारा जनप्रकाशन प्रेस, निकट रीड्स साहब का धर्मशाला से मुद्रित एवं 45 बादशाहबाग, जगन्नाथपुर, गोरखपुर से प्रकाशित। सम्पादक–पंकज धर द्विवेदी सम्पर्क सूत्र– e-mail- ghoonghatkibagawat37@gmail.com